

Sharma · Sharma

Rural Development

Readings in Settlement Geography



Essays in Honour of Prof. R.N. Mishra

Prof. R.N.Mishra, has completed his M.A. and Ph.D. degree from the University of Rajasthan, Jaipur. He worked as Professor and Head at the Department of Geography, University of Rajasthan, Jaipur. Prof. Mishra has written 5 books and has successfully supervised more than 40 Ph.D. students. He has published more than 60 research papers in national and international journals. He has served as President, Vice-president and

member secretary of various national and international academic societies. His current interest is in Quantitative Techniques, Research methodology and Practical Geography.





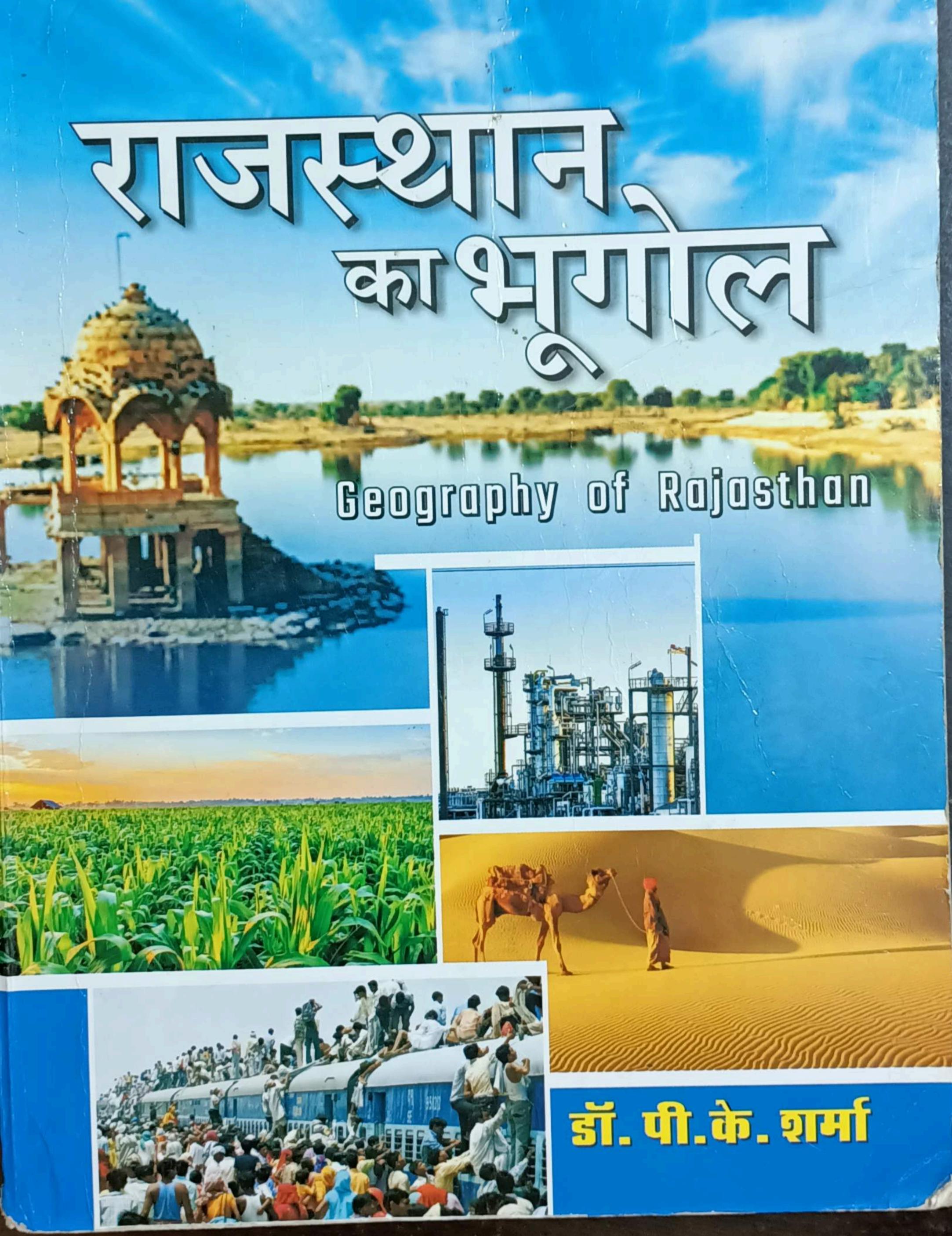
Dr. P. K. Sharma, is position holder of University of Rajasthan in M.A., M.Phil., (Geography) And Post P.G. Diploma in Population Ecology. He has been awarded by UGC- NET- JRF and SET in Population studies. Dr. Sharma has got his Ph.D. in Geography in 2005 from the University of Rajasthan. He is member of ten national and international academic societies. He has more than two dozens of national and international research papers on his credit. He is principal investigator of UGC Start -Up

project and Project Director of ICSSR Major Research Project. Presently he is working as Assistant Professor in Department of General & Applied Geography, Dr. Hari singh Gour Central University, Sagar, M.P., India.



Dr. S.C. Sharma is currently serving as teacher in Govt. senior secondary school, Raipuriya, Churu, Rajasthan. He has throughout first class academic career. He has completed his M.A. from Govt. Lohia College, Churu and awarded Ph.D. Degree from the Department of Geography, University of Rajasthan, Jaipur. He has published two research papers in national level journals.





इस पुस्तक में- '

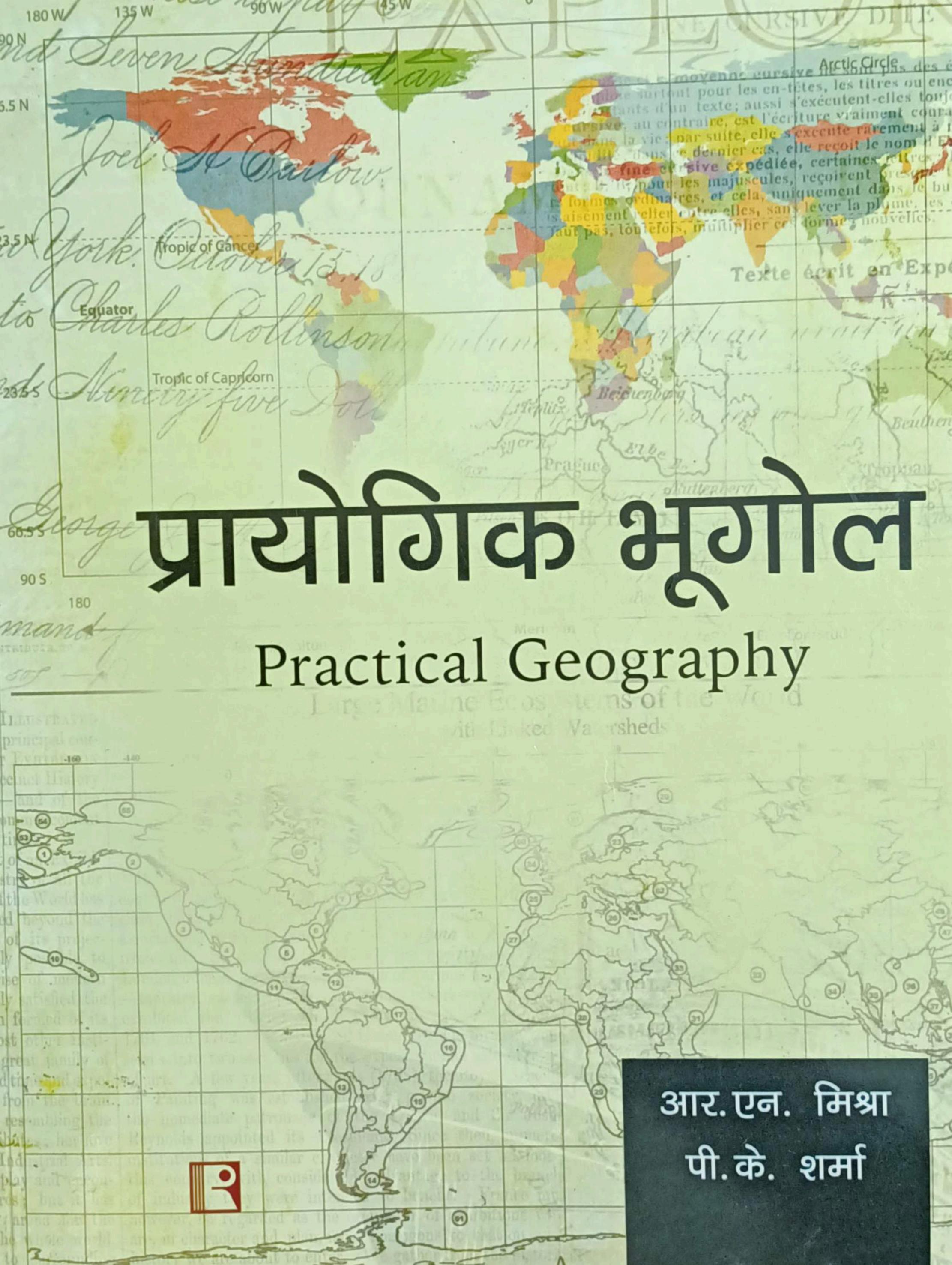
- राजस्थान : एक सामान्य परिचय
 (Rajasthan : An General Introduction)
- भौतिक स्वरूप एवं भू-गिर्भक संरचना
 (Physical Features and Geological Structure)
- ः जलवायु (Climate)
- अपवाह प्रणाली एवं झीलें (Drainage System and Lakes)
- मृदा संसाधन
 (Soil Resources)
- ः वन संसाधन (Forest Resources)
- भूमि एवं जल संसाधन
 (Land and Water Resource)
- वन्य जीव एवं जैव-विविधता संरक्षण (Wild Life and Bio-Diversity Conservation)
- कृषि(Agriculture)
- सिंचाई विकास
 (Irrigation Development)
- पशुधन एवं डेयरी विकास
 (Live-Stock and Dairy Development)

- ः सूखा-अकाल एवं मरुस्थलीकरण (Drowght-Famine and Desertification)
- मानव संसाधन
 (Human Resources)
- खनिज संसाधन
 (Mineral Resources)
- ऊर्जा विकास
 (Power Development)
- औद्योगिक विकास
 (Industrial Development)
- परिवहन
 (Transporation)
- पर्यटन विकास (Tourism Development)
- अनुसूचित जनजातियाँ (Schedule Tribes)
- सामाजिक-आर्थिक एवं क्षेत्रीय विकास
 कार्यक्रम
 (Socio-Economic and Area Development
 Programmes)
- महत्त्वपूर्ण वस्तुनिष्ठ प्रश्नोत्तर
 (Important objective type question-answer)

डॉ. पवन कुमार शर्मा, भूगोल विभाग डॉ. हरी सिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय में असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर कार्यरत है। इन्होंने राजस्थान विश्वविद्यालय से एम.ए., एम.फिल. एवं पीएच.डी. की उपाधि प्राप्त की है। इन्होंने भूगोल विषय में यू.जी.सी. नेट, जे.आर.एफ. एवं स्लेट किया है। इनके राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की शोध पित्रकाओं में दो दर्जन से भी अधिक शोध-पत्र प्रकाशित हो चुके है। दीर्घ शैक्षणिक एवं शोध अनुभव के साथ-साथ इनकी तीन पुस्तकें पूर्व में प्रकाशित है। साथ ही यू.जी.सी. एवं आई.सी.एस.आर. के दो मेजर प्रोजेक्ट भी पूर्ण कर चुके है।

जयपुर





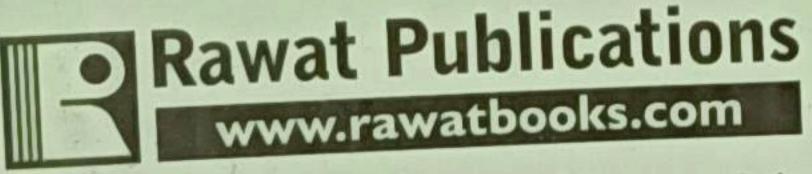
इस पुस्तक में

- मानचित्र-कला (Cartography)
- मानचित्र (Map)
- मापनी (Scale)
- मानिचत्रों का विवर्धन, लघुकरण और संयुक्तीकरण (Enlargement, Reduction and Combination of Maps)
- उच्चावच निरूपण (Representation of Relief)
- परिच्छेदिकाएं एवं ढाल विश्लेषण (Profiles and Slope Analysis)
- मानचित्र प्रक्षेप (Map Projection)
- भौमिकीय मानचित्र (Geological Maps)
- स्थलाकृतिक मानचित्र (Topographical Maps)
- वितरण मानचित्र (Distribution Maps)
- मौसम मानचित्र (Weather Maps)

- सांख्यिकीय आँकड़ों का निरूपण (Representation of Statistical Data)
- सांख्यिकीय विधियाँ (Statistical Methods)
- जरीब एवं फीता सर्वेक्षण (Chain and Tape Survey)
- समपटल पट्ट सर्वेक्षण (Plane Table Survey)
- प्रिज्मेटिक कम्पास सर्वेक्षण (Prismatic Compass Survey)
- थियोडोलाइट सर्वेक्षण (Theodolite Surveying)
- समतलन उपकरण (Levelling Instruments)
- सुदूर संवेदन तकनीक (Remote Sensing Techniques)
- भौगोलिक सूचना तंत्र (Geographical Information System)
- क्षेत्र अध्ययन तथा प्रतिवेदन लेखन (Field Study and Report Writing)

आर. एन. मिश्रा, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर के भूगोल विभाग के प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष पद से सन 2013 में सेवानिवृत्त हुए हैं। दीर्घ शैक्षणिक एवं शोध अनुभव के साथ-साथ इनके लगभग 40 लेख शोध-पत्रों में प्रकाशित हैं। राजस्थान भौगोलिक एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं इससे प्रकाशित एनाल्स के सम्पादक भी रहे हैं तथा वर्तमान में अनेक राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के शैक्षणिक संगठनों के सदस्य के रूप में भी कार्यरत हैं। आपके चार संदर्भ ग्रंथ एवं एक पाठ्य-पुस्तक पूर्व में प्रकाशित हैं।

पवन कुमार शर्मा, भूगोल विभाग, डॉ. हरी सिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय, सागर में असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर कार्यरत हैं। आपने एम.फिल, एवं पी.एच.डी. के साथ-साथ जनसंख्या पारिस्थितिकी विषय में डिप्लोमा भी किया है। इन्होंने यू.जी.सी. नेट और जे.आर.एफ. के अतिरिक्त यू.जी.सी. एवं आई.सी.एस.एस.आर. के दो मेजर प्रोजेक्ट भी पूरे किये हैं। विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में आपके अनेक शोध-पत्र प्रकाशित हो चुके हैं।



Head Office: Satyam Apartments, Sector 3, Jawahar Nagar,

Jaipur 302 004 India Tel: 0141-265 1748/7006 Fax: 0141-265 1748 e-mail: info@rawatbooks.com

Delhi Office: 4858/24, Ansari Road, Daryaganj, New Delhi 110 002 Tel: 011-23263290

Also at Bangalore, Guwahati and Kolkata

₹ 495



been t most

instandate antici result

ce to mature, it has ove "full armed," i less, however, only in he clive tree, and